The Gazette of India

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग 11—खण्ड 3—उप-खण्ड (li) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 304]

नई बिस्ली, मंगलवार, जुन 5, 1990/ज्येष्ठ 15, 1912

No. 3041

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 5, 1990/JYAISTHA 15, 1912

इस्त भागमें भिन्म पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग लंकलन के इस्प भें रखा जा सकी

Separate Paging is given to this Part in order that if may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

घादेश

नई दिल्ली, 5 जून, 1990

का. था. 447 (श्र):— भारत सरकार के संयुक्त सिंब ने, जिसे स्वापक श्रीविध श्रीर मनःप्रभावीं पदार्थ अर्थध व्यापार निवारण श्रीवित्रम, 1988 की द्यारा 3 की उप-आरा (1) के श्रधीन विशेष रूप से सणकत किया गया है, उक्त उपधारा के श्रधीन श्रीदेश फा.मं. 773/7/89 सी. श्रु. 8 तारीख 13-2-89 यह निदेश देने हुए जारी किया गया या कि श्री के.एस. सावजान उर्फ सुन्तू उर्फ सुन्तू साहिस, सुपुत्र अञ्चल रजाक, येरूक्ष्म, कासरागड को स्वापक श्रीविधयों का क्रय करने, विक्रय करने, साने जे जाने श्रीर छिपाने, बुष्प्रेरण करने से रोका जा सके;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हां गया है या प्रपने की छिपा रहा है जिससे अबत भावेग का निष्पादन नहीं हो सके;

ग्रतः ग्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम की धारा 8 का उपधारा
 के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह

निर्वेश देती हैं कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस शादेश के राजपन्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक त्रिवेन्द्रम (केरल) या पुलिस महानिदेशक त्रिवेन्द्रम (केरल) या पुलिस महानिदेशक, बंबई के समक्ष हाजिर हो।

[फा॰म : 773/89 सा.म्.8]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

New Delhi, the 5th June, 1990

ORDER

S.O. 447(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of the Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|7|89-Cus. VIII dated 13-2-1989 under the said sub-section directing that Shri K. S. Saabjaan @ Sunnu @

. . .---... -

Sunnu Sahib, son of Abdul Razak, Theruvath, Kasaragod with a view to preventing him from abetting in the purchase, sale, transportation and concealment of Narcotic Drugs; and

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Trivandrum (Kerala) or Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

IF. No. 773|7|89-Cus. VIIII

यावेश

का.आ. 448 (घ): — भारत सरकार के संयुक्त सिवा ने, जिसे स्वापक ग्रीविध भीर सतः प्रभावी पदार्थ प्रयेव गागर निवारण ग्रिक्षित्रियम, 1988 की धारा 3 की उपभारा (1) के ग्रवीन विशेष रूप से सणक्ष किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन ग्रावेण का.सं. 773/19/89 सी.ण. 8 तारीख 2-6-1989 यह निवेण वेते हुए जारी किया गया था कि श्री मोहस्मद भकी, 27-सी, उवा सदन, कोलाबा द्याकपर के नजबीक, कोलावा, वबई-5 को केन्द्रीय कारागा वधई में ग्रिभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक ग्रीविधयों का ऋय करने, विक्रय करने, लाने से जाने में लिप्न रहने भीर भारत से निर्यात किए जाने का वुष्प्रेरण करने से रोका जा सके;

- केन्द्रीय सरकार के पास यह तिक्ष्यास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या प्रयंते को छिना रखा है निजये अकत ग्रावेश का मिष्पायन नहीं हो सके;
- 3. प्रतः प्रभ, फेल्ब्रीय सरकार उन्त प्रधिनियम की बारा 8 का उप-धारा (1) के खण्ड (खा) द्वारा प्रक्षी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्वेण वेती है कि पूर्विक्त व्यक्ति, उन प्रादेश के राज्यक्ष मंत्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानियेणक बस्बई के सनल हाजिर हो।

[फा.स. 773/19/89-सी.मू.-8]

ORDER

- S.O. 448(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illict Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|19|89-Cus. VIII dated 2-6-1989 under the said sub-section directing that Shri Mohd. Shaft 27-C Usha Sadan. Near Colaba Post Office, Colaba, Bombay-5 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from engaging in purchase, sale, transportation and abetting in export from India of Narocotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed:
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby

directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Micial Gazette.

====:-- - <u>=--</u>:

[F. No. 773|19|89-Cus. VIIII

धावेश

का.श्रा. 449 (श्र): — भारत मरकार के संप्रृक्त मिल हैं, किंगे स्वापक श्रीपिध और मनःप्रशाली प्रवार्थ प्रवेश व्यापार निशारण श्रुधि िएम, 1988 की श्रारा 3 की उपधारा (1) के श्रश्चीत विशेष इप ते समक्त किया गया है, उक्त उपधारा के श्रश्चीत श्रावेश फा.स. 773/24/89 सी.श्. 8 तारीख 17-5-1989 यह निदेण देते हुए जारी किया गया था कि श्री वी माताकृष्णन मार्फन मन्यानम, सुपुत्र वैदरानायम पिल्ल, नं. 5/1-सी, गर्णेण नगर, सिमको मीटर रोड़, सिर्म्बरापस्थी को के खाँग सारागार, तिस्कों में अधिरक्षा में रखा जाए ताक उसे स्वापक थी खिरो के नेत्वन से रोका जो सके: और

- 2. भेन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करन का कारण है कि पूर्वीक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिना रहा है थिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;
- 3. प्रतः अत्र, केन्द्रीय सरकार उन्त अधिनियम की धारा 8 की नयधारा (1) के खण्ड (का) द्वारा प्रवत्त सिक्सी का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस आवेश के राजपन में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस अधीक्षक, सा आई थी, अपराध क्षाधा, महास के समझ हाजिर हो।

फा.स. 723/24/89-स्ते स्. ।

ORDER

- S.O. 449(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Micit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|24|89-Cus. VIII dated 17-5-1989 under the said sub-section directing that Shri V. Santhanakrishan @ Santhanam. Solo Vedaranyam Pillai, No. 5|1-C, Ganesh Nagar, Simco Meter Road, Tiruchirappalli be detained and kept in custody in the Central Prison, Tiruchy with a view to preventing him from dealing in Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Superintendent of Police, C.I.D., Crime Branch, Madras within to days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|24|89-Cust V(II)

घारेक

का.आ. 450(छ): — भारत मरकार के संयुक्त सिख ने, जिने स्वापंक धौषि भीर सनःप्रभावी पदार्थ प्रक्रिप कापार निवारण प्रतिनियम, 1988 की धारा 3 की उपघारा (1) के ध्रश्नीन विशेष रूप से संगक्त किया गया है, उक्त उपघारा के सधीन ध्रादेण प्रा.स. 773/25/89 सी.सू. 8 तारीख 18-5-89 यह निदेश देने हुए नारी किया गया थ्रा

कि श्री मोहम्मद इरकान, सृषुत्र सोहम्मद इमरान, कमरा न. 18, पारमी गली, बंध्की बाजार, वंबर्ध- हा केन्द्रीय कारागार बंबर्द में ज्ञिपश्चा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक श्राप्ता को एक राज्य से दूसरे राज्य में लाने, ले जाने, कब्जे म रखन श्रार श्रायान करने से रोका आ सके,

- 4. केन्द्रीय नरलार के पास यह विण्यास करत का कारण है कि पूर्वीक्त व्यक्ति फरार हो गप्त है था अगने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;
- 3. शतः श्रव, केन्श्रीय सरकार उक्त श्रिशिनियम की धारा ४ के उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदन्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, गह निर्देश वेती है कि पूर्व कि व्यवित, इस आवश के राजपत्त में प्रकाणन के 10 विन के भीतर पुलिस महागिरेणक वस्त्वई के नमक्ष हाजिर हो।

[फा.स. 773/25/९९-सी.स्.-7]

ORDER

- S.O. 450(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|25|89-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri Mohammed Irfan, S|o Mohammed Imran, Room No. 16. Parsi Galli, Bendi Bazaar, Bombay-3 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from engaging in transportation, possession and import intex-state of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|25|89-VJIJ1

प्रावेश

का.आ. 151 (प्र): — भारत सरकार के संयुक्त सचिव ते, जिसे स्वापक ग्रीणिश और मनःप्रभावी पवार्थ अवैध व्यापार तिवारण श्रिश्वित्यम, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के स्थीन विशेष रूप से समाकत किया गया है, उकत उपधारा के ग्राधीन स्रावेश फा.सं. 773/28/89 सी.सु. १ नारील 18-5-1089 यह निरेण देने जा नारी किया स्था आ कि श्री जी, मन्द कुमार, मुस्त्र गोपाल, 258 पीरणा वेलुक्लम, शर्वी स्ट्रीट, वाय्तिया, श्रीलंका, केन्द्रीय जारगार मद्रास की ग्राधित से कारागार मद्रास की श्रीभरक्षा में रखा आए नाक उसे स्वापक ग्रांपियों के परिवहन, कबने में रखने भीर श्रीनर्राजीय ग्रायान में लिप्त उन्ने में रोका जा सके:

- 2. केन्द्रीय सरकार के पात यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपन को छिपा नहा है जिसस उक्त भादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- अतः अव, केन्द्रीय सरकार उवन अधिनियम की धारा 8 की उपधारा
 के खण्ड (ख) हारा अदल णक्तियों का प्रयोग करने दुए, यह

निर्वेश देती है कि पूर्विक्त व्यक्ति, इस आवेश के राजपक्ष में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस अवीक्षक, सी.आई.शी., अपराध शाखा, महास के समक्ष क्षाजिल्हां।

[फा.स. 773/28/89-मी.भु-8]

ORDER

- S.O. 451(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|28|87-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri G. Nandakumar. S|o Gopal, 258 Periya Valakulam, 9th Street, Vavuniya, Sri Lanka C|o Superintendent, Central Prison Madras be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from engaging in the transportation, possession and import inter-State of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Superintendent of Police, C.I.D., Crime Branch, Madras within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773 28 89-Cus. VIII]

श्रादेश

का.मा. 452 (म्र): — भारत सरागर के नयुक्स सनित्र ने, ित्यों स्थापक ग्रीचिश्च भीर मनः प्रभावी पदार्थ सर्वेश्व व्यापार नियारण मिन्निन्म, 1988 की धारा 3 की उपयारा (1) के अधीन विशेष रूप में सणक्त किया गया है, उकत उपसारा के अधीन धादेण का.मं. 77%/-32/89 सी.मू.-8 तारीख 18-5-89 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री वलीमानर सदान बाधा, गांव कुरा, बाबा खाखा, जिला-कच्छ (गुजरात) को केश्वीय कार्रागर, ग्राह्मसाग्रस में रखा बण ताकि उसे भारत में स्थापक श्रीयिश्वों के भारत में साथान करने में लिया बहुने भीर परिवहन करने में रोका जा सके;

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विष्यास करने का कारण है कि पूर्वोक्षक व्यक्ति फरार हो गया है या प्रयने को लिया रहा है जिससे उक्त आयेश का निष्पादस नहीं हो सके:
- 3. मतः श्रम, केन्द्रीय मरकार उस्त पश्चितियम की धारा 8 की उपराधा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त लिनियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्वेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इन पादिय के राजपत्र में प्रकाशक के 10 दिन के मीतर पुलिस महा-निरीक्षक, अपराध और रेतने के समक्ष हाखिर हो।

्र [फा मं. 773/32/89—सी.**श**.-शं

ORDER

- S.O. 452(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order No. 773|32|89-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri Valimamad Sadaq Wadha, village-kuran, via-Khavda, District Kutchh (Gujarat) be detained and kept in custody in the Central Prison, Ahmedabad with a view to preventing him from engaging in the import of Narcotic Drugs into India and transportation of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Inspector General of Police, Crime and Railway, Ahmedabad within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|32|89-Cus. VIII]

म्रादेश

- का. था. 453 (ग्र): भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे स्वापक ग्रीविश्व ग्रीर मनः प्रभावी पदार्थ प्रविध ज्यापार निवारण श्रिधिनयम, 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के ग्रिधीन विशेष रूप से सशकत किया गया है, उकत उपधारा के ग्रिधीन ग्रादेश फा.सं. 773/34/89 सी.णु. 8 सारीख 18-5-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री जनम तैयब समा, गांव— धोशना, वारास्ता-खबदा, जिला-कच्छ (गुजरान), को केन्द्रोग कारागार, अहमदाबाद में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक ग्रीविध्यों को भारत में ग्रायात करने ग्रीर परिवहन करने मे रोका जा सके।
- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का करण है कि पूर्वीक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने की फ्रिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पावन नहीं हो सके;
- 3. मतः भ्रम, केन्द्रीय सरकार उन्त श्रधितयम की धारा 8 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश वेती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस ग्रावेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिम निरीक्षक, श्रपराध्र एवं रेलवे के समक्ष हाजिर हो।

[फा.स. 773/34/89-सी.मू.-8]

ORDER

S.O. 453(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|34|89-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri Junus Taiyab Sama, Village-Dhrobana, Via-Khavda, District-Kutchh (Guiarat) be detained and kept in custody in the Central Prison, Ahmedabad with a view to preventing him from engaging in import into India and transportation of Narcotic Drugs; and

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Inspector General of Folice Crime and Railways, Ahmedabad within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|34|89-Cus. VIII]

ग्रावेश

- का. आ. 454 (प्र): ---भारत सब्दार हे संयुक्त सिवय ने, जिसे स्वापक भौषधि और मनःप्रभावी पदार्थ प्रयंध व्यापार नियारण श्रक्षित्यम, 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के प्रधीन विशेष १५ से सम्बद्ध किया गया है, उन्नत उपधारा के प्रधीन भावेश का.सं. 773/46/89 सी.श्..-१ तारीख 18-5-89 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री थी. बाबुराज, सुपुत्र वेस्लाई नादर, कान्वूर वैस्ट, धमीर बाग, बांबई पण्चिमी-79, को केन्द्रीय कारागार बांबई मे ग्रभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक भौषधियों के अक्षर्णवर्धीय परिवहन, कब्जे में रखने, विक्रय करने भौर धायान करने से शेका जा सके;
- केन्द्रीय सरकार के पास यह विख्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या ग्रपने को छिपा रहा है जिससे उक्त स्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3 प्रसः श्रन, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम की धारा 8 काँ उप-धारा (1) के खण्ड (खा) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस धादेश के राजपन्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पृलिस महानिदेशक अन्ध के सभक्ष हाजिर हो।

[पत.सं. 773/46/89-सी.मु -8]

ORDER

- S.O. 454(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|46|89-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri V. Baburai, Sl.o Vellai Nadar, Chambur West, Amcer Bagh, Bombay West-79 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from engaging in the transportation, possession, sale and import inter-State of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|46|89-Cus. VIII]

भादेश

का. प्रा. 455 (प्र.) . — भारा सरकार के संयुक्त सिंव ने, जिसे स्वापक भौविध भौर मनः प्रभावी पदार्थ भौध व्यापार निवारण अधिनियन, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से मणका किया गया है, उका उपधारा के प्रधीन भारेण का. सं. 773/64/89 सी. ग्.न8 विनाय 26-7-89 यह निवेश देनी हुए जारी किया गया था कि मीहम्सद धातात उर्क श्राविद परवील, संपुत्र भ्रम्बुल रूफ, 701, किल्लापुकरी, बालातीर, उदीसा और 5, धर्मतल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता की प्रेसिडेन्सी जेल, कलकत्ता की श्राविद्या में रखा जाए ताकि उसे स्थापक भौषिधयों के बनाने, कब्जे में रखने, विश्वय करने क्य करने, परिवहन, भंडागारण, भंतर्राश्रीय श्रायान श्रीर नियान करने से रोका जा सके।

- 2. केल्ब्रीय सरकार के पान यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वेक्त व्यक्ति फरार है। गंगा है या ग्रमने को छिपा रहा ं जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहा हो सकें.
- 3. श्रमा श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 8 का उपधारा (1) के खंड (ख) हारा प्रदत्त सफ्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस श्रादेश के राजपत्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस सप्तानिदेशक, कलक्ष्मा के समक्ष हाजिर हो।

[फा.स. 773/64/89-सी,श्.-४]

ORDER

- S.O. 455(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773/64/89-Cus. VIII dated 26-7-1989 under the said sub-setion directing that Shri Md. Azad @ Avid Perwiz, S/o Shri Abdul Rouf, 701, Killapukri, Ballasore, Orissa and also of 5. Dharmatala Street, Calcutta be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Calcutta with a view to preventing him from engaging in manufacture, possession, sale, purchase, transportation warehousing, import and export inter-State of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Calcutta within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|64|89-Cus. VIII]

श्रादेश

का.श्रा. 458 (थ्र) --शारत सरकार ते संयुक्त सिख ने, जिसे स्वादम श्रीविधि और मत प्रभावी पदार्थ अवैध व्याप्मर निवारण श्रीविनियम. 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के श्राम्चन विशेष रूप से मशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के श्रधीन श्रावेण फा.सं. 773/71/89-सी.शृ.=8 दिनांक 5-10-89 यह निदेण देते हुए जारी किया गया था कि श्री मुरली शाह, भुगृत श्री जग्गू शाह तेती, निवासी गांव श्रखोडी, पु.स्टे./पो.भा. रामगद, जिला रोहलाण, बिहार को डिस्ट्रिक्ट जेल, कोटा (राज.) में श्रीभिन्था में स्था जाए, तांक उसे स्वापक श्रीविधि यों का अन्य करने, कडजे में रखने श्रीर परिवहन से रोका जा सके;

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या प्रपत्ने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. शत. श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिश्तियम की धारा 8 की उपधारा (1) के खड़ (ख) द्वारा प्रदत्त गर्कतयों का प्रयोग करने हुए, यह निर्वेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस श्रादेश के राजपल में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक, जयपुर (राजस्थान) या महानिदेशक पुलिस, बिहार (१८०१) के समज हाजिर हो।

[परा.सं 773/71/89-सी.शु.-8]

ORDER

- S.O. 456(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|71|89-Cus. VIII dated 5-10-89 under the said sub-section directing that Shri Murali Shah, S|o Shri Jaggu Shah Teli, R|o village Akhodi, P. S.|P.O. Ramgarh, District Rohtash, Bihar be detained and kept in custody in the District Jail, Kota (Rajasthan) with a view to preventing him from engaging in purchase, possession and transportation of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Jaipur, Rajasthan or Director General of Police, Bihar (Patna) within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773]71]89-Cus. VIII]

ग्रादेश

का. आ. 457 (अ). — भारत संस्थार के संयुक्त सचिव ने, जिसे स्वापक श्रीपिध श्रीर मन अभावी पदार्थ श्रवैध व्यापार निवारण श्रीपित्तियम, 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के श्रधीन विशेष रूप से समक्त किया गया है, उक्त उपधारा के श्रधीन श्रादेण फा.सं. 773/81/89—सी.श.-8 दिनांक 14-12-89 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री राम सिंह, गांव सापाखेंडा, सहसील सातामऊ, जिला मंदसीर (म.प्र.) की उप-जेल मंदसीर (म.प्र.) की श्रिप्रका मे रखा जाए ताकि उसे स्वापक श्रीपित्रयों को कब्जे में रखने भीर विशव्य करने से रोका जा सके,

- केन्द्रीय राग्कार के पास यह विश्वाम करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त श्रादेश का निष्पावन नहीं हो सके;
- 3. ग्रसः ग्रव, केन्द्रीय सरकार उनत ग्रिश्चित्यम की घारा 8 कं। उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त ब्याबित, इस ग्रादेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिस के भीगर पुलिस संशानियेशक, बिहार, पटना के समक्ष हार्जिर हो।

[फा.सं. 773/81/89-सी.मु.-8] ए०के० राय, अवर सचिव

ORDER

S.O. 457(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|81|89-Cus. VIII dated 14-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Ram Singh, Village Sathakheda, Tehsil Satamow, District Mandsaur, Mandsuar (M.P.) be detained and kept in custody in the sub-jail, Mandsaur (M.P.) with a view to preventing him from engaging in possession and sale of Narcotic Drugs; and

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bihar, Patna within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|81|89-Cus. VIII]A. K. ROY, Under Secy.